

(आईआईटीएम) ने देश भर में फैले 83 सेंसर के साथ भारत में एक लाइटनिंग लोकेशन नेटवर्क स्थापित किया है। चूंकि प्रत्येक सेंसर में लगभग 200 वर्ग किमी का कवरेज होता है, आकाशीय बिजली गिरने की घटना का अत्यधिक सटीकता के साथ पता लगाया जा सकता है। आईआईटीएम ने तमिलनाडु और पांडिचेरी में पांच लाइटनिंग डिटेक्टर स्थापित किए हैं।

1. तिरुवरूर 2. वेल्लोर 3. कोयंबटूर 4. मदुरै 5. पांडिचेरी

मोबाइल ऐप दामिनी-लाइटनिंग अलर्ट के जरिए आकाशीय बिजली की चेतावनी भेजी जा रही है। पूरे भारत में दामिनी ऐप के 5 लाख से ज्यादा डाउनलोड हो चुके हैं।

- (घ) तमिल सहित सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में चेतावनी प्रदान करने के लिए आईआईटीएम दामिनी ऐप अपडेट करने पर काम कर रहा है।
- (ङ) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) गरज के साथ तूफान और संबंधित मौसम की घटनाओं के लिए पूर्वानुमान और चेतावनी जारी करता है ताकि उनसे जुड़ी मौतों को कम किया जा सके। गरज के साथ तूफान की निगरानी के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग के पास एक उन्नत प्रेक्षण प्रणाली है। इसमें डॉपलर वेदर रडार का सघन नेटवर्क, मल्टी-चैनल INSAT 3D उपग्रह श्रृंखला के साथ-साथ भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) के ग्राउंड आधारित लाइटनिंग डिटेक्टर नेटवर्क के डेटा और भारतीय वायु सेना (IAF) शामिल हैं। इसके अलावा, विभिन्न संख्यात्मक मॉडल उत्पाद जो विशेष रूप से भारतीय क्षेत्र में गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली के पूर्वानुमानों की आवश्यकता को पूरा करते हैं, को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत सहयोगी संगठनों की सहायता से विकसित किया गया है।

प्रेक्षणों और मॉडल उत्पादों के मार्गदर्शन के आधार पर, गरज के साथ तूफान और संबंधित प्रतिकूल मौसम तत्वों के लिए पूर्वानुमान और चेतावनियां प्रदान की जाती हैं। ये पूर्वानुमान और चेतावनियां सब-डिवीजनल स्केल में पांच दिनों की अवधि के लिए दी जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय/राज्य मौसम विज्ञान केंद्रों से, यह उसी अवधि के लिए जिला स्तर पर दी जाती है। इसके अलावा, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्रों (आरएमसी) और राज्य मौसम विज्ञान केंद्र (एसएमसी) द्वारा देश भर के 1084 स्टेशनों और 739 जिलों के लिए हर तीन घंटे में गरज के साथ तूफान और संबंधित मौसम घटना की नाउकास्ट चेतावनियां जारी की जाती हैं। ये नाउकास्ट यूजर्स को उनके लाभ के लिए एसएमएस/व्हाट्सएप/ईमेल आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से प्रसारित किए जाते हैं। हाल के दिनों में, इन चेतावनियों को जनता को संभावित प्रभावों और दिशानिर्देशों के साथ प्रदान किया गया है जिन्हें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से अंतिम रूप दिया गया।

ये सूचना आईएमडी वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/districtwisewarnings.php और https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/stationwise-nowcast-warning.php) मोबाइल ऐप आधारित अलर्ट (मेघदूत, मौसम), एसएमएस, ईमेल और स्थानीय भाषा में व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से प्रेषित की जाती है। आईएमडी वेबसाइट के अलर्ट इंटरैक्टिव प्रकृति के होते हैं।

साथ ही, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने संबंधित समस्याओं की शमन कार्रवाई के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। एनडीएमए ने 2018-2019 में गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली / चंडवात और तेज हवा पर कार्य योजना के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और सभी राज्य सरकारों / संघ शासित राज्यों को भेजा है और एनडीएमए की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

इसके अलावा, एनडीएमए ने निम्नलिखित पहल की है:

- एनडीएमए ने राज्य सरकारों/ संघ शासित राज्यों को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए गरज के

साथ तूफान और बिजली गिरने के संबंध में क्या करें और क्या न करें, के लिए विशिष्ट परामर्शिकाएं जारी की।

- एनडीएमए ने सबसे अधिक प्रभावित राज्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली की तैयारी और शमन उपायों की समीक्षा की।
- गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली पर पूर्व चेतावनी प्रसार के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित करना,
- एनडीएमए ने आईईसी सामग्री जैसे टीवीसी, पॉकेट बुक्स में क्या करें और क्या न करें, गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली गिरने के विषय पर ऑडियो-विजुअल का उत्पादन किया।
- दूरदर्शन पर 'आपदा का सामना' शो पर विशेष पैनल चर्चा (टीवी डिबेट)।
- दूरदर्शन और आकाशवाणी - एनडीएमए ने पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल सहित आपदा संभावित राज्यों में अप्रैल 2021 के दौरान 'तूफान और बिजली गिरने' पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए टीवी (दूरदर्शन) और रेडियो (ऑल इंडिया रेडियो) के माध्यम से अभियान चलाया है। ।
- गरज के साथ तूफान और आकाशीय बिजली पर सोशल मीडिया अभियान फरवरी से शुरू होता है। क्या करें और क्या न करें एनडीएमए के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जा रहे हैं और ट्विटर और फेसबुक पर लगातार वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं।

अनुलग्नक-1

2016-2020 के दौरान बिजली गिरने से हुई दुर्घटना में हुई मौतों की राज्य/संघशासित राज्य वार संख्या						
क्र.सं.	राज्य/संघ शासितराज्य	2016	2017	2018	2019	2020
1	आंध्र प्रदेश	53	77	74	109	93
2	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0
3	असम	92	30	36	28	14
4	बिहार	282	263	177	400	436
5	छत्तीसगढ़	211	270	213	212	246
6	गोवा	0	0	0	2	0
7	गुजरात	29	54	13	64	78
8	हरियाणा	12	3	6	11	3
9	हिमाचल प्रदेश	2	3	8	1	5
10	झारखंड	542	150	235	334	336
11	कर्नाटक	77	121	126	99	75
12	केरल	17	19	25	15	8
13	मध्य प्रदेश	639	452	381	400	429
14	महाराष्ट्र	230	284	149	189	182
15	मणिपुर	0	0	1	0	0
16	मेघालय	12	15	5	7	8
17	मिजोरम	1	1	1	1	0
18	नागालैंड	0	0	0	0	1
19	उड़ीसा	376	446	299	271	275
20	पंजाब	8	1	4	7	8
21	राजस्थान	108	121	43	88	48
22	सिक्किम	1	1	0	0	0
23	तमिलनाडु	38	74	82	57	64
24	तेलंगाना	74	79	68	96	64
25	त्रिपुरा	12	17	10	10	5
26	उत्तर प्रदेश	384	217	220	321	304
27	उत्तराखंड	1	7	2	2	10
28	पश्चिम बंगाल	110	176	179	147	170
	कुल राज्य	3311	2881	2357	2871	2862
29	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	0	1	0	1	0
30	चंडीगढ़	0	0	0	2	0
31	दादरा एवं नागर हवेली और दमन और दीव @ +	0	2	0	1	0
32	दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश	2	0	0	0	0
33	जम्मू और कश्मीर @ *	2	1	0	1	0
34	लद्दाख @					0
35	लक्षद्वीप	0	0	0	0	0
36	पुदुचेरी	0	0	0	0	0

	कुल केंद्र शासित प्रदेश (एस)	4	4	0	5	0
	कुल (अखिल भारत)	3315	2885	2357	2876	2862
	राज्यों/संघ शासित राज्यों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार					
	'+' 2016-2019 के दौरान पूर्व दादरा एवं नागर हवेली और दमन और दीव संघ शासित राज्य का संयुक्त डेटा					
	'*' 2016-2019 के दौरान लद्दाख सहित पूर्व जम्मू और कश्मीर राज्य का डेटा					
	'@' नव निर्मित केंद्र शासित प्रदेश का डेटा					

उपर्युक्त डेटा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा प्रदान किया गया था।
